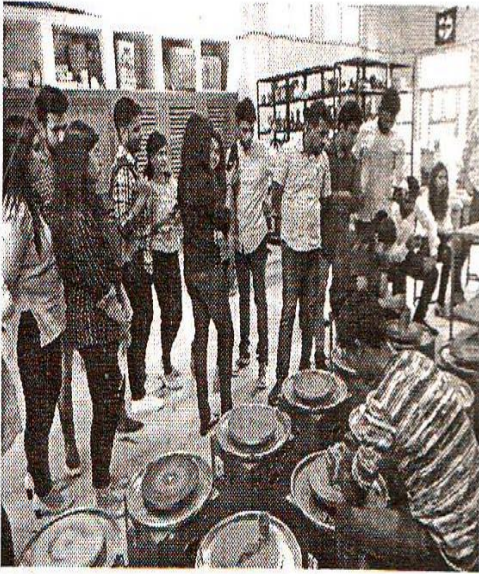


जेके एलयू, जयपुर ने किया बैच 2018 का स्वागत

जयपुर । जेके लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी, जयपुर ने खास बात थी, वो अनुभव जो इन्होंने बच्चों को महसूस कराये। इस यूनिवर्सिटी के इतिहास में पहली बार यूनिवर्सिटी के रेसिडेन्शियल एवं नॉन-रेसिडेन्शियल सारे बच्चे कैम्पस के अंदर स्थित छात्रावास में रह रहे थे।



इस दौरान छात्रों को यूनिवर्सिटी ने सुबह से शाम तक कई कार्यक्रमों में व्यस्त रखा। डिजाइन थिंकिंग की वर्कशॉप कराई जयपुर के प्रसिद्ध इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ क्राफ्ट्स एंड डिजाइन ने जहाँ बच्चों ने साथ में काम करके कई प्रकार की वस्तुएं बनाई। इसके अतिरिक्त उन्होंने रोमांचक गणित, विज्ञान, स्टैटिस्टिक्स, कम्प्यूटेशनल्स, ग्रुप डायनमिक्स एवं प्रॉजेक्ट बेस्ड लर्निंग के सेशन में भाग लिया। शाम को छात्रों के उत्साह को बरकरार रखने के लिए गेम्स, म्यूजिक एवं प्रोफेसरों से भेट करने का आयोजन किया गया था।

अपने परिसर में 2018 के बैच का स्वागत बड़े ही उल्लास के साथ किया। 2 सप्ताह लंबे और बेहद आकर्षक इंडक्शन प्रोग्राम के द्वारा छात्रों ने एक अद्वितीय अनुप्रयोग आधारित शिक्षा और पाठ्यक्रम की यात्रा शुरू की। इन दो हफ्तों में जेके एलयू के बच्चों को यूनिवर्सिटी के आदर्शों का, नियमों का और उम्मीदों का जायेजा दिया गया। इन सब पहलुओं के अलावा इस प्रोग्राम की सबसे

जेके एलयू में प्रत्येक छात्र को एक फॅकल्टी मेंटर प्रदान किया जाता है जो उनके कॉलेज की यात्रा में मार्गदर्शक के रूप में उनका साथ देंगे। इंडक्शन में बच्चों को अपने मेंटर से मिलने का भी मौका मिला। इस साल से जेके एलयू ने अपने आधुनिक एमबीए प्रोग्राम, पिनकल एमबीए का भी प्रारम्भ किया है और इसमें स्टूडेंट्स को ना

सिर्फ फॅकल्टी मेंटर बल्कि इंडस्ट्री मेंटर भी प्रदान किए गये हैं यूनिवर्सिटी द्वारा। व्यवसाय के बड़े नाम जुड़े हैं इस मेनटोरशिप प्रोग्राम में। इंडक्शन के दौरान स्टूडेंट्स को मेनटर्स से वार्तालाप करने का मौका मिला। श्री राघव राव, अमेज़ॉन इंडिया के सीएफओ, श्री रवि चंद्रा, को-फाउंडर और सीओओ, एल्लोरा हेल्थ टेक्नॉलजीस, श्री धनश्याम जोधा, नीलसन के फॉर्मर ग्लोबल मार्केट रिसर्च एक्सपर्ट एवं श्रीमती शिप्रा भूटानी, डाइरेक्टर, क्वांटम अकॅडमी जैसे कुछ मेनटर्स से एमबीए स्टूडेंट्स की बातचीत हुई इंडक्शन के दौरान। आई एस बी, हैदराबाद के प्रथम संचालक और पिनकल एमबीए के प्रोग्राम डिजाइनर श्री प्रमथ राज सिन्हा से बातचीत से स्टूडेंट्स पिनकल एमबीए के प्रॉजेक्ट बेस्ड पाठ्यक्रम की विचार धारा को समझा।

फर्स्ट यियर पिनकल एमबीए के छात्र राजुल ने इंडक्शन का अनुभव बताते हुए कहा जब भी हम कहीं बाहर पढ़ने जाते हैं, हमारी उम्मीदें और आशाएं उस यूनिवर्सिटी या इंस्टिट्यूट से जुड़ जाती हैं। जेकेएलयू से मेरी भी उम्मीदें जुड़ गयीं, और यहाँ मुझे उम्मीद से भी अधिक मिला। ग्रुप में काम कैसे करना है, डिजाइन थिंकिंग क्या होता है, मेंटर्स हमें कितना गाइड कर सकते हैं, चीजों को देखना का नज़रिया कैसे बदल सकते हैं, और भी बहुत कुछ जानने को मिला।